ग्रामीण युवा ने पेश की मिसाल.....

एयर कंडिशंड है स्कूल, एटीएम से आरओ का पानी

धार जिले के नवादपुरा को कमल पटेल के जुनून ने बनाया संभाग का पहला आईएसओ सर्टिफाइड गांव

पत्रिका सोशल प्राइड

नवादपुरा से लौटकर प्रदीप अगाल
patrika.com

बाग. जैसे बिहार के माउंटेन मैन दशरथ मांझी ने हथौड़ा और छेनी से पहाड़ काटकर अतरी और वजीरगंज ब्लॉक की दूरी 55 से घटाकर 15 किमी कर दी, वैसे ही धार जिले के नवादपुरा के युवा कमल पटेल ने गांव की सीरत और सुरत दोनों बदलकर रख दी। महज 1100 लोगों की आबादी वाले गांव के सरकारी स्कूल वातानुकूलित (एयर कंडिशंड) हैं और जनता को एटीएम जैसी मशीन से ठंडा आरओ वाटर मिलता है। इतना ही नहीं पूरा गांव समानता का भाव लिए गुलाबी रंग पुता है। इस आधुनिकीकरण को देखते हुए इसे संभाग के पहले आईएसओ ग्राम का दर्जा दिया गया है।

गांव में स्विमिंग पूल के साथ झूलों-चकरी जैसी सुविधाओं के साथ 2017 में ग्राम को खुले में सोच मुक्त घोषित किया गया। यहां पेयजल के लिए एटीएम से ठंडा आरओ पानी भी उपलब्ध है। यह सब काम 2017 मे ही हो चुके हैं। इस काम के प्रणेता है ग्राम के युवा पटेल कमल पटेल। जिन्होंने अपने ग्राम को आदर्श ग्राम बनाने की मुहिम चला रखी है। इस कार्य में वे अपने पूर्वजों की याद में बनाए गए सांवरिया फाउंडेशन के सहयोग से काम कर रहे हैं।

स्कूल में बनाया गया है बच्चों के लिए स्विमिंग पूल

गांव के सभी मकानों पर गुलाबी रंग

ग्राम में सभी मकानों पर गुलाबी रंग पुता हुआ है, जो ग्राम में समानता का भाव दिखाता है। ग्राम के रोड सीमेंटीकरण व पैवर्स के बने हुए हैं।

ग्रामीण कर रहे हैं तारीफ, कहा-कभी सोचा भी न था

गांव के बुजुर्ग भूरा और सुखलाल कहते है कि इस युवा सोच का ही परिणाम है कि आज उनके पोतों को बाहर पढ़ने नही जाना पड़ रहा हैं। गोपाल लच्छेरा कहते हैं कि कोई सोच भी नहीं सकता था कि गांव की सूरत कोई युवा इस तरह बदल देगा। वहीं आदिवासी सीताबाई तो बात करते भावुक हो जाती है और कहती है कि हमने जिंदगी में सपने में भी नही सोचा था कि हमारे बच्चे भी ऐसी में कभी पढ़ेंगे। एक ओर बुजुर्ग बालाजी कहते हैं कि कमल ने इस गांव और आने वाली पीढ़ी के लिए एक अनुकरणीय कार्य किया है।

मिशन 2018 में एक नई सोच: साल 2017 में ग्राम विकास की इबारत लिखने के बाद कमल पटेल ने अब एक नई सोच के साथ काम कर रहे हैं› वह सोच हैं कि क्यों न शहर को ही ग्राम में लाया जाए। इसलिए व अभी शिक्षा, सुरक्षा और स्वच्छता पर काम कर रहे हैं। उन्होंने शिक्षा के लिये यहां एक रिक्त पड़े शासकीय भवन के 4 कक्षों को को स्वामी विवेकानंद आदर्श आंगनबाड़ी सह बालबाड़ी बनाया है। इसमें 2 आंगनबाड़ी और कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों के लिए 2 स्मार्ट क्लास बनाई गई है। इसमें एसी लगे हुए हैं। बैठने के लिए कुर्सियां। वहीं आधुनिक खिलौने स्विमिंग पूल स्नान, घर-शौचालय व पूरे परिसर में पेंटिग कर इस परिसर को ऐसा बना दिया है कि वह शहर के किड्स प्ले स्कूलों को मात दे रहा है और बच्चे यहां मस्ती से झूम रहे हैं। वहीं सुरक्षा को लेकर पूरे ग्राम को सीसी टीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। यहा की प्रावि और मावि विद्यालय को भी सर्वसुविधा युक्त किया जा चुका है।सड़क किनारे लगे पौधे गांव की सुंदरता में चार चांद लगा रहे हैं।

स्कूल की दीवारों पर चित्रकारी से निखरा रंग।

बच्चों के लिए बनाया गया आकर्षक स्नानघर।

यह है आईएसओ गांव की खास बात

- सरकारी स्कूल के 2 कक्षों में लगे हैं एसी
- स्कूल में ही बच्चों के लिए बनाया गया है स्वीमिंग पुल
- -निजी वाहन से बच्चों को ले जाने की निःशुल्क व्यवस्था
- गांव में भारत माता का बनाया गया है मंदिर
- हरियाली और स्वच्छता का संगम गांव की ओर करता है आकर्षित

एक नजर इधर भी...

- इस ग्राम की 60 फीसदी आबादी आदिवासी और 40 फीसदी पिछड़ा वर्ग की है।
- यहां मतदाताओं की संख्या 700 के करीब है।
- यहां की ग्राम पंचायत निर्विरोध चुनी गई है।
- ग्राम निसरपुर ब्लॉक में नर्मदा के किनारे से महज 5 किमी दूर बसा है।
- इसको वर्ष 2017 में ही ओडीएफ के साथ संभाग का आईएसओ ग्राम का दर्जा मिल गया था।